



पहेली की सहेली ॥

कक्षा - 4

हमारा परिवेश



रचनाकार:

आयुषी अग्रवाल(स०अ०)
कम्पोजिट वि०शेखूपुर खास
कुन्दरकी(मुरादाबाद)

मार्गदर्शक:

राजकुमार शर्मा(प्र०अ०)
UPS, चित्रवार
मऊ(चित्रकूट)



मिशन शिक्षण संवाद



कक्षा - 4

पहेली की सहेली ॥

पाठ - 2

01

स्थानीय पेशे व व्यवसाय

नन्हे-मुन्नों को पाठ पढ़ाता
नित विद्यालय समय से आता।
सबको देता हूँ मैं ज्ञान
बताओ बच्चो मेरा नाम॥

पहिले





मिशन शिक्षण संवाद



कक्षा - 4

पहेली की सहेली ॥

पाठ - 2

02

स्थानीय पेशे व व्यवसाय

मिट्टी उठाये
चाक पे चढाये।
आग में तपाके
बर्तन बनाये॥

राक्षक





मिशन शिक्षण संवाद



कक्षा - 4

पहेली की सहेली ॥

पाठ - 2

03

स्थानीय पेशे व व्यवसाय

नई-नई पोशाक बनाता
कैंची, धागा काम में आता।
नाप लेकर करता काम
बताओ बच्चो मेरा नाम।।

पुण्ड्र





मिशन शिक्षण संवाद



कक्षा - 4

पहेली की सहेली ॥

पाठ - 2

04

स्थानीय पेशे व व्यवसाय

कभी जलेबी, कभी चूरमा
कभी लड्डू, रसमलाई।
घुमा-घुमा पकवान बनाता
बताओ उसका नाम भाई॥

झाण्डू





मिशन शिक्षण संवाद



कक्षा - 4

पहेली की सहेली ॥

पाठ - 2

05

स्थानीय पेशे व व्यवसाय

कुर्सी, मेज, द्वार, चारपाई
लकड़ी चीर बनाता भाई।
आरी से वो करता काम
बताओ बताओ उसका नाम॥

इंशु





मिशन शिक्षण संवाद



कक्षा - 4

पहेली की सहेली ॥

पाठ - 2

06

स्थानीय पेशे व व्यवसाय

रोगी का इलाज है करता
दवा मरहम से ठीक है करता।
रोगी का वो है भगवान
बताओ जल्दी उसका नाम।।

५२५५





मिशन शिक्षण संवाद



कक्षा - 4

पहेली की सहेली ॥

पाठ - 2

07

स्थानीय पेशे व व्यवसाय

चिट्ठी पाती वो है लाता
दूर देश संदेश पहुँचाता।
झोला लेकर करता काम
प्यार से बोलो उसका नाम॥

॥धृष्ट॥





मिशन शिक्षण संवाद



कक्षा - 4

पहेली की सहेली ॥

पाठ - 2

08

स्थानीय पेशे व व्यवसाय

सिर पर टोपी हाथ में डिग्री
नियम कानून का ज्ञाता है।
केस लड़ाने वाले को
कौन सा नाम सुहाता है॥

झुफुठ





मिशन शिक्षण संवाद



कक्षा - 4

पहेली की सहेली ॥

पाठ - 2

09

स्थानीय पेशे व व्यवसाय

साफ करके गली मोहल्ला
कचरे से करता हूँ मुक्त।
मैल हटा पर्यावरण को
सफाई से करता हूँ युक्त॥

मुफ्तसेफाई





मिशन शिक्षण संवाद



कक्षा - 4

पहेली की सहेली ॥

पाठ - 2

10

स्थानीय पेशे व व्यवसाय

वर्दी पहने सिर पर टोपी
कानून सबको बताता है।
चोरी झगड़ा दूर करे
सुरक्षित समाज बनाता है॥

धृष्ट





मिशन शिक्षण संवाद



कक्षा - 4

पहेली की सहेली ॥

पाठ - 2

11

स्थानीय पेशे व व्यवसाय

ईंट, सीमेंट, बालू रेत
इन सबसे मैं लेता काम।
बना मंजिल पे दूजी मंजिल
सोचो ज़रा तुम मेरा नाम।।

शुभचर





मिशन शिक्षण संवाद



कक्षा - 4

पहेली की सहेली ॥

पाठ - 2

12

स्थानीय पेशे व व्यवसाय

चमड़ा, सुइया डोरी से
जूते सिलना मेरा काम।
बना जूते की सुन्दर जोड़ी
अन्त में लेता हूँ मैं दाम॥

पुष्प





मिशन शिक्षण संवाद



कक्षा - 4

पहेली की सहेली ॥

पाठ - 2

13

स्थानीय पेशे व व्यवसाय

मशीनों से काम करे
उसे यान्त्रिकी सुहाती है।
उसके दिन रात की मेहनत से
नई तकनीक आती है।।

धन्यवाद





मिशन शिक्षण संवाद



कक्षा - 4

पहेली की सहेली ॥

पाठ - 2

14

स्थानीय पेशे व व्यवसाय

झगड़े को निबटाकर के
न्याय ही करना आता है।
चाहे अपना चाहे पराया
निर्णय निष्पक्ष ही भाता है।।

15





मिशन शिक्षण संवाद



कक्षा - 4

पहेली की सहेली ॥

पाठ - 2

15

स्थानीय पेशे व व्यवसाय

सर्दी, गर्मी चाहे वर्षा
वो नित काम पे जाता है।
हल, बैल, हैरो को लेकर
नई फसल उगाता है।।

कृषक





मिशन शिक्षण संवाद



कक्षा - 4

पहेली की सहेली ॥

पाठ - 2

16

स्थानीय पेशे व व्यवसाय

दूर खड़ा वो सीमा पे
दुश्मन से देश बचाता है।
गर आ जाये विकट समय तो
देश पे प्राण लुटाता है॥

कृष्ण





मिशन शिक्षण संवाद



कक्षा - 4

पहेली की सहेली ॥

पाठ - 2

17

स्थानीय पेशे व व्यवसाय

बाल काटकर
दाढ़ी बनाई।
बताओ जल्दी
कौन है भाई।।

शुद्ध





मिशन शिक्षण संवाद



कक्षा - 4

पहेली की सहेली ॥

पाठ - 2

18

स्थानीय पेशे व व्यवसाय

स्वादिष्ट सा भोजन
होटल में पकाया।
नए प्रयोगों से
उसे बेहतर बनाया ॥

शिक्षण





मिशन शिक्षण संवाद



कक्षा - 4

पहेली की सहेली ॥

पाठ - 2

19

स्थानीय पेशे व व्यवसाय

नए कारज को करने में
उसको याद किया जाता।
वेद पुराण मंत्र रटे हैं
महाज्ञानियों में वो आता॥

पुरुष





कक्षा - 4

पहेली की सहेली ॥

पाठ - 2

20

स्थानीय पेशे व व्यवसाय

हो ज़रूरत रोज़ मर्ग की
चाहे उपयोगी सामान।
ग्राहक को संतुष्ट करके
अन्त में लेता है वो दाम॥

पुस्तक





कक्षा - 4

पहेली की सहेली ॥

पाठ - 5

21

खेत से बाजार तक

लाल खोल में
पीले दाने।
ऊपर डण्डी
मसाला पहचाने॥

मसाला





मिशन शिक्षण संवाद



कक्षा - 4

पहेली की सहेली ॥

पाठ - 5

22

खेत से बाजार तक

**सफेद रंग
समंदर में वास।
मेरे बिना
भोजन बेस्वाद।।**

कृषि





मिशन शिक्षण संवाद



कक्षा - 4

पहेली की सहेली ॥

पाठ - 5

23

खेत से बाजार तक

अपने रंग में रंगती हूँ
भोजन को पीला करती हूँ।
मसालों की रानी हूँ मैं
रोगों से नित लड़ती हूँ।।

पुष्प





मिशन शिक्षण संवाद



कक्षा - 4

पहेली की सहेली ॥

पाठ - 5

24

खेत से बाजार तक

**काला है रंग और
मैं हूँ गोल-गोल।
जल्दी से पहचान कर
भाई मसाला बोल।।**

असु सुअफ





मिशन शिक्षण संवाद



कक्षा - 4

पहेली की सहेली ॥

पाठ - 5

25

खेत से बाजार तक

लम्बा, अण्डाकार
चाहे गोल भाई।
सब्जी में मिलाकर
उसकी रौनक बढ़ाई।।

अण्डा





मिशन शिक्षण संवाद



कक्षा - 4

पहेली की सहेली ॥

पाठ - 5

26

खेत से बाजार तक

लम्बा हूँ, हरा हूँ
बाग में खड़ा हूँ।
भोजन में मिला दो तो
स्वाद लेकर पड़ा हूँ॥

पहेली





मिशन शिक्षण संवाद



कक्षा - 4

पहेली की सहेली ॥

पाठ - 5

27

खेत से बाजार तक

मसालों में ऊँचा मेरा नाम
स्वाद बढ़ाना मेरा काम।
धूसर रंग मेरी पहचान
बोल भाई तू मेरा नाम।।

अजु





मिशन शिक्षण संवाद



कक्षा - 4

पहेली की सहेली ॥

पाठ - 5

28

खेत से बाजार तक

कूट-कूट मैं
काम में आती।
भोजन में पड़कर
स्वाद बढ़ाती॥

पुपुपुपु





मिशन शिक्षण संवाद



कक्षा - 4

पहेली की सहेली ॥

पाठ - 5

29

खेत से बाजार तक

तीव्र गंध को संग में ले
भोजन का स्वाद बढ़ाता हूँ।
सोच मसाला कौन सा भाई
भोजन हजम कराता हूँ॥

पुई





मिशन शिक्षण संवाद



कक्षा - 4

पहेली की सहेली ॥

पाठ - 5

30

खेत से बाजार तक

रंग है मेरा काला सा
तेज़ स्वाद मैं रखती हूँ।
मुझसे सब तौबा करते हैं
मसालों में स्थान रखती हूँ॥

जौ

